जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 213 प्रभात अजमेर, शनिवार 2 मार्च, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अशोक गहलोत ने आखिर बंगला खाली किया

विधानसभा चुनाव में, लगभग तीन माह हुए, गहलोत सरकार पराजित हो गयी थी तथा गहलोत मु.मंत्री नहीं रहे थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 मार्च। अशोक गहलोत ने अंततः जयपुर में मुख्यमंत्री का बंगला खाली कर दिया है, जिसमें चुनाव तथा सरकार हारने के बाद भी तीन महीने से वो रह रहे थे। राष्ट्रदूत के मुख्य पृष्ठ पर छपी खबर के बाद बंगला खाली हुआ, जिसमें बताया गया था कि, कैसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। क्योंकि, मुख्यमंत्री का बंगला खाली नहीं होने के कारण उन्हें हर रोज राज्य सचिवालय पहुंचने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

समझा जाता है कि, गहलोत मुख्यमंत्री बंगले में बने रहने में खुश थे और उनके विरूद्ध अखबार में लिखे जाने के बाद ही अंततः उन्होंने बंगला खाली करने का निर्णय लिया। वे अब राजस्थान विधानसभा के पूर्व स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी द्वारा खाली किए गए बंगले में चले गए हैं। डॉ. सी.पी. जोशी ने गत चुनाव में ना केवल अपना विधानसभाध्यक्ष पद खोया बल्कि चुनाव भी हार गए थे। डॉ. सी.पी. जोशी ने अशोक गहलोत से बहुत पहले ही सरकारी बंगला छोड़ दिया था। वहीं, लगता है कि, गहलोत विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि, वो अपनी सरकार व मुख्यमंत्री पद, दोनों खो चुके हैं।

- परम्परा व निर्णय के अनुसार निवर्तमान मु.मंत्री गहलोत को मु.मंत्री निवास खाली कर देना चाहिये था।
- पर, अब सरकार गिरने के तीन माह बाद गहलोत मु.मंत्री बंगला खाली कर, विधानसभाध्यक्ष सी.पी. जोशी द्वारा खाली किये गये बंगले में शिफ्ट हुए हैं।
- जैसा की विदित ही है, सी.पी. जोशी विधानसभा अध्यक्ष पद ही नहीं, बल्कि एम.एल.ए. का चुनाव भी हार चुके हैं तथा गहलोत इस बंगले में शिफ्ट हुए, उससे काफी पहले विधानसभाध्यक्ष का अपना ऑफिशियल बंगला खाली कर चुके थे।
- गहलोत को दूसरा झटका और लगा जब पुत्र वैभव गहलोत को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा तथा गहलोत के पुराने साथी व वफादार मालवीया ने, जिन्हें हाल ही में गहलोत ने सी.डब्ल्यु.सी. सदस्य बनवाया था तथा विधानसभा में विपक्ष का नेता बनवाने की पूरी कोशिश की थी, ने कांग्रेस की सदस्यता त्याग कर भाजपा जॉइन कर ली।

गहलोत को दूसरा झटका तब लगा जब उनके पुत्र वैभव गहलोत को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष पद से त्याग पत्र देना पड़ा, इस प्रकार गहलोत परिवार का प्रदेश के क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर नियंत्रण भी खत्म हो गया है। गहलोत को एक झटका उनके वफादार महेन्द्र मालवीय न दिया था, जो कांग्रेस छोड़ भाजपा में चले गए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिजली गिरने से 8 की मौत: परिजनों को 5-5 लाख रू. की सहायता

जयपुर, 1 मार्च (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार शाम प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से मरने वालों के परिजनों को 5-5 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घायलों को समुचित सहायता एवं इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं।

- प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। मु.मंत्री भजन लाल शर्मा ने सूचना मिलते ही तुरंत आर्थिक सहायता की घोषणा कर दी।

मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशानुसार मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रूपए की सहायता आपदा प्रबंधन एवं राहत विभाग की ओर से जिला कलक्टरों के माध्यम से तथा 1-1 लाख रूपए की सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि, ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी और अमित शाह के नाम होंगे भाजपा की पहली लिस्ट में

किसी भी समय आ सकती है लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा की पहली लिस्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 मार्च। गृह मंत्री अमित शाह व भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की प्रधानमंत्री मोदी क दिल्ली आवास पर गुरुवार रात्रि का 5 घंटे तक चली लंबी बातचीत के बाद, पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति की लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की प्रथम सूची अंतिम रूप से तैयार करने के लिए रात का 11 बजे से बैठक शुरु हुई।

लोकसभा चुनावों के प्रत्याशियों की पहली लिस्ट शुक्रवार या शनिवार तक जारी होने की अपेक्षा है इसमें मोदी का नाम भी हो सकता है। स्पष्ट है वे उनके दूसरे कार्यकाल के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी से चुनावी उम्मीदवार घोषित हो सकते हैं। गृह मंत्री शाह का नाम गुजरात में गांधी नगर सीट से, राजनाथ सिंह लखनऊ से एवं स्मृति ईरानी का नाम अमेठी से प्रस्तावित किया जा सकता है।

इस सूची से परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का नाम छूट सकता है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का विदिशा से चुनाव, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को बीकानेर से, गजेन्द्र शेखावत को जोधपुर से, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को ग्वालियर, भाजपा पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा को पुरी, केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजु को अरूणाचल पश्चिम सीट से, सरोज पांडेय को कोरबा (छत्तीसगढ़), बी.डी. शर्मा खजुराहों से, प्रतिमा भौमिक-त्रिपुरा पश्चिम से, अजय भट्ट को नैनीताल और रवि किशन को गोरखपुर से प्रत्याशी घोषित किया जा सकता है।

- शुक्रवार देर रात भाजपा केन्द्रीय इलैक्शन कमेटी की बैठक शुरु हुई जिसमें प्र.मंत्री मोदी, अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा व अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे।
- भाजपा की पहली लिस्ट में कई हैरान करने वाले नाम हो सकते हैं। चर्चा है कि, दिल्ली से सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी और अक्षय कुमार को टिकट मिल सकता है।
- पहली लिस्ट में संभवतया उन राज्यों के लिए प्रत्याशी घोषित नहीं होंगे जहां भाजपा सहयोगी दलों के साथ सीटों के तालमेल की बात कर रही है।

दिल्ली की बात करें तो मनोज तिवारी दिल्ली उत्तर पूर्व, परवेश साहिब सिंह वर्मा दिल्ली पश्चिम, रमेश बिधूड़ी दिल्ली दक्षिण, स्व. सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज नई दिल्ली और बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार पूर्वी दिल्ली से चुनाव मैदान में उतारें जाएंगे।

अन्य चयनित प्रत्याशियों में लोकसभा स्पीकर पुनः कोटा से, बाड़मेर से कैलाश चौधरी, चूरू से राहुल कस्वा, झालावाड़ से दुष्यंत सिंह झालावाड़ से, चित्तौड़गढ़ से सी.पी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर 5.49 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली 1 मार्च (वार्ता) पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है क्योंकि वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) ने शुक्रवार को शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत पीपीबीएल पर 5.49 करोड़ रुपये का जुर्माना किया।

इस संबंध में वित्त मंत्रालय द्वारा आज जारी बयान में कहा गया है कि, पीएमएलए की धारा 13(2)(डी) के तहत यह जुर्माना किया गया है। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम (अभिलेखों का रखरखाव) नियम, 2005 (पीएमएल नियम) के साथ पढ़े जाने वाले पीएमएलए के तहत अपने दायित्वों के उल्लंघन के संदर्भ में पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड पर 5.49 करोड़ रुपये का का जुर्माना लगाया गया है। एफआईयू आईएनडी ने ऑनलाइन जुए के आयोजन और सुविधा प्रदान करने सहित कई अवैध कार्यों में लिप्त कुछ संस्थाओं और उनके व्यवसायों के नेटवर्क के संबंध में कानून प्रवर्तन एजेंसियों से विशिष्ट जानकारी प्राप्त करने पर पीपीबीएल की समीक्षा शुरू की।

आर.एस. सांसद ने थामा भाजपा का दामन

नई दिल्ली, 1 मार्च (वार्ता)। तेलंगाना के जहीराबाद निर्वाचन क्षेत्र से भारत राष्ट्र समिति के सांसद भीमराव बसवंतराव पाटिल ने शुक्रवार को भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. लक्ष्मणन और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रत्यूष कंठ की उपस्थिति में पाटिल ने विधिवत भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

हिमाचल में हमारी सरकार को खतरा नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली, 1 मार्च (वार्ता) कांग्रेस ने कहा है कि, हिमाचल प्रदेश में उसकी सरकार को अस्थिर करने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कोशिश विफल हुई है और वहां अब कांग्रेस सरकार को कोई खतरा नहीं है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का नाम लिए बिना कहा की मोदी और उनके चाणक्य शाह की सरकार गिराने की रणनीति विफल हुई है।

उनका कहना था कि, हिमाचल में सरकार बचाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व का हस्तक्षेप सफल रहा है और भाजपा नेतृत्व के सपने टूटे हैं। उन्होंने कहा, हिमाचल को लेकर मीडिया में तरह-तरह की बातें चल रही हैं, लेकिन हम एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहते हैं कि, राज्य में प्रधानमंत्री और तथाकथित चाणक्य की कोशिश पूरी तरह से फेल हुए हैं। कांग्रेस नेतृत्व के हस्तक्षेप और हमारे पर्यवेक्षकों की तत्परता के बाद वहां स्थिति पूरी तरह से कांग्रेस के नियंत्रण में है। रमेश के कहा, दूसरे राज्यों की तरह भाजपा ने हिमाचल में भी जनता द्वारा चुनी हुई कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार को अस्थिर करने के लिए धनबल, सत्ताबल और बाहुबल का खेल शुरू किया था, लेकिन वे विफल रहे क्योंकि हिमाचल की जनता का आशीर्वाद कांग्रेस के साथ है। इस घटना के बाद हमारे संकल्प और मज़बूत हुए हैं। हम हिमाचल के लोगों की सेवा करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में चुनाव अभियान का श्रीगणेश किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दावा किया कि, पश्चिम बंगाल सरकार को भाजपा के प्रदेश नेतृत्व द्वारा चलाए गए सघन अभियान ने मजबूर कर दिया कि संदेशखाली प्रकरण के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया जाए। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार अभियान का बिगुल फूंक दिया।

उन्होंने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की शेख शाहजहां का सरंक्षण देने के लिए आलोचना की, जो कि अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की जमीन हड़पने, उसने हफ्ता वसूलने का आरोपी है, पर इन सबसे बढ़ कर उस पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के भी आरोप हैं।

प्रधानमंत्री ने बंगाल के लोगों से कहा कि वे मतदान के समय तृणमूल कांग्रेस के कुकृत्यों का बदला लें। उन्होंने तृणमूल के जाने का समय नज़दीक बताते हुए कहा कि उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, राज्य पुलिस को संदेशखाली की महिलाओं के दबाव में झुकना ही पड़ा।

मोदी ने पश्चिम बंगाल सरकार की संदेशखाली प्रकरण के आरोपियों से निपटने के तरीके की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी यह नहीं सोचा कि क्षेत्र की महिलाओं, जिनके साथ गलत हुआ है, की मदद की जाए। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को उत्तरी बंगाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उत्तरी बंगाल के आरामबाग में आमसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने खुला आरोप लगाया ममता बनर्जी पर कि, शेख शाहजहां, जिसने अनुसूचित जाति, जनजाति की भूमि पर नाजायज़ कब्जे किये, जनता से नाजायज़ वसूली की तथा बलात्कार व यौन शोषण जैसे कई अपराध किये, ममता बनर्जी सरकार के संरक्षण में महीनों स्वछन्द घूमते रहा तथा अन्ततोगत्वा भाजपा के दबाव में पुलिस को गिरफ्तार करना पड़ा।
- पर, बंगाल के राजनीतिक हल्कों में इस बात की भारी चर्चा रही कि, मोदी जब कोलकता राजभवन पहुंचे तो, ममता बनर्जी उनसे मुलाकात करने पहुंचीं तथा मैत्रीभाव में "गपशप" भी की।
- क्या कोई नयी "सैटिंग" हो रही है मोदी व ममता के बीच।

चुनाव आयोग ने केन्द्रीय बलों की तैनाती शुरू की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 मार्च। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सी.ए.पी.एफ्स.) के 3.4 लाख से अधिक जवानों को चुनाव कार्यों में तैनात करने की प्रक्रिया प्रारम्भ करने के साथ ही लोकसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरु कर दी है, ताकि वे उस निर्वाचन क्षेत्र के माहौल में खुद को ढाल सकें, जहां उन्हें तैनात किया जाएगा। शुक्रवार को 2,000 कंपनियों के 1.5 लाख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चुनाव आयोग चुनाव की तैयारी के लिए केन्द्रीय सशस्त्र बलों के 3.4 लाख जवान तैनात करेगा। चुनाव पूर्व तैयारी के लिए डेढ़ लाख जवानों को देश के संवेदनशील भागों में भेजा जा रहा है।

एन.सी.पी. (शरद पवार) शिव सेना (उद्धव ठाकरे) तथा कांग्रेस ने सीट शेयरिंग फॉर्मूला तय किया

शिव सेना (उद्धव ठाकरे) के पक्ष में बढ़ते जमीनी समर्थन व एन.सी.पी. (पवार) को भी पार्टी में विभाजन की सहानुभूति मिलने से इस इण्डिया गठबंधन का मनोबल ऊंचा हुआ है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 मार्च। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले का बारामती लोकसभा सीट से फिर से चुनाव लड़ना थोड़ा मुश्किल हो गया है, पर नैशलिस्ट कांग्रेस पार्टी के शरद पवार गुट के लिए एक अच्छी खबर है कि, महा विकास अगाड़ी (एम.वी.ए.) के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को अंतिम रुप दे दिया गया है।

समझौते के अनुसार शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे) 21 सीटों पर, कांग्रेस 15 सीटों पर तथा शरद पवार गुट (एन.सी.पी.) 9 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात तथा गोआ में, इण्डिया ब्लाक के घटक दलों में चुनाव पूर्व तालमेल को अंतिम रुप देने के बाद महाराष्ट्र में तालमेल हो जाना एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, ज्ञातव्य है कि महाराष्ट्र से 48 सांसद चुने जाते हैं जो उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है।

महाराष्ट्र में हालांकि, शिवसेना का एकनाथ शिंदे गुट, अजीत पवार की एन.सी.पी. तथा भाजपा के साथ गठबंधन में सत्ता में हैं लेकिन, रिपोर्टों के अनुसार, शिवसेना (यू.बी.टी.) तथा अन्य महाविकास अगाड़ी दलों के लिए समर्थन में तेजी से वृद्धि हो रही है। महाविकास अगाड़ी घटक दलों में सीटों का बंटवारा हो जाने के बाद भाजपा का वर्ष 2019 का प्रदर्शन दोहराना मुश्किल लगता है।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने अविभाजित शिवसेना के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था जिसमें भाजपा ने 22 सीटें तथा शिव सेना ने 13 सीटें जीती थीं, दो अन्य सांसदों को मिलाकर एन.डी.ए. की संख्या 37 हो गई थी। उसी वर्ष हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 105 सीटें और शिवसेना ने 56 सीटें जीती थीं।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव भी इसी वर्ष होने वाले हैं, संभावना है कि यहां भारी राजनैतिक उलटफेर होगा क्योंकि, भाजपा, नए गठबंधन सहयोगियों (शिवसेना का शिंदे गुट और अजीत पवार की एन.सी.पी.) की सीटों की मांगों को पूरा करना नहीं चाहेगी।

जिस पार्टी की स्थापना शरद पवार ने वर्ष 1999 में की थी, उसका नाम और चुनाव चिन्ह उनसे छिन चुका है। लेकिन राजनीति में उनकी साख बहुत चतुर चालाक नेता की है और उनकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इन परिस्थितियों में भाजपा को महाराष्ट्र में, पिछले लोकसभा चुनाव में जीती सीटों के आंकड़े तक पहुंचना मुश्किल लग रहा है।
- पिछले लोकसभा चुनाव में एन.डी.ए. गठबंधन को महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 37 सीटें मिली थीं। पर, इस बार इतनी भारी सफलता मिलने के आसार कम नज़र आते हैं।

'जमानत के लिए हाई कोर्ट जाओ'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जेल में बंद बलात्कार के दोषी आसाराम बापू को जमानत के लिए हाई कोर्ट में आवेदन करने के लिए आदेश दिया। सितम्बर 2023 में भी शीर्ष अदालत ने उसको जमानत देने से इंकार कर दिया था। उससे पहले,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग लड़की से रेप के आरोप में सज़ायाफ्ता आसाराम बापू की जमानत याचिका खारिज करते हुए, हाई कोर्ट में अर्जी लगाने का निर्देश दिया।

टाइम्स नाओ, नवभारत, आज तक व न्यूज़ 18 को साम्प्रदायिक प्रपोगैण्डा प्रसारित करने के लिये दण्डित व प्रताड़ित किया

न्यूज़ ब्रॉडकास्टिंग एण्ड डिजिटल स्टैण्डर्ड अथॉरिटी (एन.बी.डी.एस.ए.) ने इन न्यूज़ चैनल्स को, साम्प्रदायिक भावना भड़काने वाले अपने प्रोग्रामों का प्रसारण हटाने के आदेश दिये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 मार्च। द न्यूज़ ब्रॉडकास्टिंग एण्ड डिजीटल स्टैण्डर्ड्स ऑथोरिटी (एम.बी.डी.एस.ए.) ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में नफरत और साम्प्रदायिक कटुता फैलाने वाले कई न्यूज़ चैनल्स के कुछ कार्यक्रमों को प्रसारण से हटाने और जुर्माना अदा करने को कहा है।

टाइम्स नॉउ नव भारत पर 1 लाख रूपए जुर्माना किया गया है और न्यूज़ इण्डिया पर 50,000 रू. तथा आज तक को चेतावनी दी गई है। सभी तीन चैनल्स को अपने कार्यक्रमों के ऑनलाइन वर्जन्स को सात दिन के भीतर हटा लेने के आदेश दिए गए हैं। वर्तमान में एन.बी.डी.एस.ए. के प्रमुख सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज ए.के. सीकरी हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता इन्द्रजीत घोरपडे द्वारा साम्प्रदायिक तथा भड़काऊ टी.वी. शोज़ की शिकायत दर्ज करने के बाद ये आदेश दिए गए हैं। विशाल टाइम्स ऑफ इण्डिया ग्रुप के एक भाग टाइम्स नॉउ नवभारत को दण्डित किया गया है क्योंकि यह पाया गया है कि उसके एंकर हिमांशु दीक्षित मुस्लिमों को एक सम्प्रदाय के रूप में निशाना बना रहे थे और अंतर-धार्मिक आस्था वाले संबंधों को "लव जिहाद" करार दे रहे थे।

न्यूज़ 18 इण्डिया, जो अब अरबपति मुकेश अंबानी ग्रुप का भाग है, को उसके कम से कम तीन शो के लिए दंडित किया गया है। इनमें से दो शो की एंकरिंग अमन चोपड़ा और एक की अमीश देवगन ने की थी। यह पाया गया कि इनमें श्रद्धा वाल्कर मर्डर केस को "लव जिहाद" के रूप में साम्प्रदायिक रंग दिया गया। इण्डिया टुडे ग्रुप के "आज तक" को सुधीर चौधरी की एंकरिंग वाले शो के लिए चेतावनी दी गई। "लाइव लॉ" के अनुसार उक्त शो में रामनवमी पर हुई हिंसक घटनाओं को लेकर एक सम्प्रदाय विशेष को निशाना बनाया गया।

शिकायतकर्ता ने निष्पक्षता, तटस्थता, वस्तुनिष्ठता और यथार्थता के संदर्भ में "कोड ऑफ एथिक्स एण्ड ब्रॉडकास्टिंग स्टैण्डर्ड्स" के उल्लंघन का जिक्र किया था। एन.बी.डी.एस.ए. ने घटनाओं की रिपोर्टिंग में भड़काऊ भाषण निरोध व साम्प्रदायिक पुट ना देने संबंधी गाइडलाइन्स के उल्लंघन का भी हवाला दिया। एन.बी.डी.एस.ए. ने लव जिहाद पर टाइम्स नॉउ नवभारत के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि विवादित ब्रॉडकास्ट के अवलोकन से पता चलता है कि, "एंकर ने शुरू में ही यह निष्कर्ष निकाल लिया था कि एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने अपनी धार्मिक पहचान छिपाते हुए अन्य सम्प्रदाय की महिलाओं को फुसलाया और फिर उनके साथ हिंसा की या उनकी हत्या कर दी तथा किसी समुदाय विशेष की महिलाओं के साथ की गई ऐसी हिंसा का संबंध लव जिहाद से है।" एन.बी.डी.एस.ए. ने अपने फैसले में कहा कि, "विवादित ब्रॉडकास्ट के दौरान एंकर के बयानों और उठाए गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इन प्रोग्रामों के एंकर को पचास हजार से एक लाख रूपये का आर्थिक दण्ड भी दिया।
- एन.बी.डी.एस.ए. सरकार की संस्था नहीं है, बल्कि प्राइवेट न्यूज़ करैन्ट अफेयर्स के ब्रॉडकास्टर्स की प्रोफेशनल संस्था है, जो इस क्षेत्र के ब्रॉडकास्टर्स के फण्ड से चलती है।

राहुल की यात्रा आज धौलपुर से पुनः शुरू

धौलपुर, 1 मार्च (निसं)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार दो मार्च को धौलपुर से पुनः शुरू होगी। धौलपुर में पैदल रोड शो करने के बाद यात्रा मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में प्रवेश करेगी। इससे पूर्व 25 फरवरी को न्याय यात्रा उत्तर प्रदेश के आगरा शहर से राजस्थान के धौलपुर जिले में पहुंची थी। उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित बोथपुरा गांव में 25 फरवरी को फ्लैग एक्सचेंज सेरेमनी में राहुल गांधी के समक्ष उत्तर प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा को न्याय यात्रा का झंडा सौंपा था। जिसके बाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यात्रा को 5 दिन का ब्रेक दिया गया था। धौलपुर से यात्रा मध्य प्रदेश के मुरैना में प्रवेश करेगी।